वर्ष 42 अंक 245
पृष्ठ 24
गोरखपुर, बुधवार
21 दिसंबर 2016
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.50

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

मुंह मीठा होगा और जेब भारी

गिरीश पांडेय, गोरखपुर

खुशखबरी। मुंह मीठा होगा और जेब भारी। कई रोगों से रोकथाम के साथ ऊर्जा अलग से। जी हां, यह उसी गन्ने से होगा, जिसके नाते पूर्वांचल कभी खुशहाल था। चीनी के कटोरे के रूप में देश में इसकी खुद की पहचान थी। इस बार भी खुशहाली का आधार गन्ना ही होगा, पर जरिया चीनी की जगह खनिज, विटामिन, ऊर्जा और औषधीय गुणों से भरपूर गुड़ होगा, जो तैयार होगा स्वास्थ्यवर्धक गुड़ प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण इकाई में। इसका शिलान्यास 21 दिसंबर को पीपीगंज के चौक माफी में निर्माणाधीन महायोगी गोरखनाथ केवीके में होने जा रहा है।

गोरखपुर में लगेगी प्रदेश की इकाई: खास बात यह है कि स्वास्थ्यवर्धक गुड़ बनाने की पहली इकाई गोरखपुर में लगेगी। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान इसे लगवाएगा। माह भीतर इकाई स्थापित हो जाएगी। संस्थान की ओर से कुशीनगर और बस्ती में भी ऐसी इकाईयां लगाई जाएंगी।

बढ़ेगी किसानों की आय : कृषि विज्ञान केंद्र लखनऊ के प्रधान वैज्ञानिक डा.एसएन सिंह के मुताबिक हाल के वर्षों में अपेक्षित आय न होने से पूर्वांचल के किसानों में गन्ने की खेती का क्रेज घटा है। गुणवत्ता वाले गुड़ की इकाईयां लगने से उनकी आय बढ़ेगी। वे फिर गन्ने की खेती की ओर उन्मुख होंगे।

किसानों को मिलर्स से प्रति क्विंटल गन्ने के एवज में करीब 300 रुपये मिलते हैं। इतने गन्ने में करीब 10 किग्रा गुड़ तैयार होगा। प्रति किग्रा लागत करीब 10–15 रुपये आएगी। अगर बाजार में यह गुड़ 50 रुपये किग्रा की दर से भी बिके, तब भी किसानों को लाभ होगा।

- रोगों से रोकथाम के साथ ऊर्जा अलग से
- स्वाथ्यवर्धक गुड़ बनेगा खुशहाली का जरिया

विशेष

सक्षम किसान खुद लगा सकते हैं इकाई

चूंकि एक इकाई की स्थापना लागत पांच से सात लाख रुपये के करीब है। लिहाजा सक्षम किसान अकेले या समूह बनाकर भी इसे लगा सकते हैं। संस्थान किसानों को गुड़ बनाने के प्रशिक्षण के साथ पैकिंग एवं विपणन के तरीकों के बारे में भी बताएगा।

तैयार गुड़ की खूबी

गुड़ खुद में एक संपूर्ण आहार है। औषधीय गुणों के साथ यह ऊर्जा का भी स्रोत है। इसमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं। ग्लूकोज और फ्रक्टोज के नाते यह त्वरित ऊर्जा का सशक्त स्रोत है। पीलिया, खून की कमी और अंधता के इलाज में भी यह मददगार है। इसमें भरपूर मात्रा में आयरन, कैल्शियम, फास्फोरस, विटामिन ए और बी मिलता है।

इकाई का शिलान्यास आज

गोरखपुर : पीपीगंज के चौक माफी स्थित महायोगी गोरखनाथ केवीके में 21 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे स्वास्थ्यवर्धक गुड़ प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण इकाई का शिलान्यास होगा। इस मौके पर गन्ना उत्पादन पर वैज्ञानिक गोष्ठी भी होगी। यह जानकारी उमापति तिवारी ने दी। बताया कि कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सांसद योगी आदित्यनाथ, कैंपियरगंज के विधायक फतेह बहादुर सिंह, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबद्ध भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के निदेशक डा.एडी पाठक, केवीके लखनऊ के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डा.एसएन सिंह और डा.राकेश कुमार सिंह उपस्थित रहेंगे। किसानों से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर इसका लाभ उठाने की अपील की गई है।